RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 16 सितम्बर 2022 | वर्ष 04 | अंक 132 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

पुलिस हवलदार ही निकला लुटेरों का सरदार

काशीमीरा पुलिस ने किया तीन को गिरफ्तार

भायंदर : सुनियोजित ढंग से लूटी गई एक करोड़ से अधिक की नगदी की गुत्थी 24 घंटा के अंदर सुलझाते हुए काशीमीरा पुलिस ने एक पुलिस हवलदार, उसके खबरी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से लूटी गई एक लाख की नकदी, कार और चलन से बाहर हो चुकी एक करोड़ रुपए की 500-1000 की पुरानी नोट जब्त कर ली गई है। आरोपियों में विकास विक्रांत लोहार (44) पुलिस हवलदार है। वह ठाणे शहर क्राइम शाखा यूनिट-1 में तैनात है।उसके अलावा उसका खबरी राकेश उपाध्याय उर्फ पंड्या तथा स्वप्निल रसाले भी ठाणे के निवासी हैं। मामले में मालाड निवासी दीपक की पुलिस तलाश कर रही है।चारों ने मिलकर लूट की योजना बनाई थी।

500 और 1000 रुपए के पुरानी नोट जप्त

कुर्ला (मुंबई) निवासी मनीष पांड्या और उनके रिश्तेदार के पास नवंबर 2016 में हुई नोटबन्दी के बाद चलन से बाहर हो चुकी 500 और 1000 की पुरानी नोट (एक करोड़ रुपए) था। उसे बदल कर नई नोट देने का झांसा आरोपियों ने दिया। पुरानी नोट दीपक बदलने वाला था।

नए- पुराने नोट लेकर सभी आरोपी हुए फरार

पैसा लेकर उन्हें काशीमीरा थाना क्षेत्र के वरसावे नाके पर सोमवार की रात बुलाया गया। उनके वहां पहुंचते ही आरोपी पुलिस हवलदार वहां आ धमका। खबरी ने उन्हें (फिरयादी) पुलिस का छापा पड़ने की बात बताकर डराया। इस बीच आरोपी हवलदार ने मनीष पाथाडे को कार से उतार दिया और कार और उसमें रखे नए- पुराने नोट लेकर सभी आरोपी फरार हो गए। पुलिस जब लुटेरों को पकड़ी तो खुद भौचक्की रह गई क्योंकि लूट का मास्टरमाइंड खुद असली पुलिसवाला था।

महाराष्ट्र में 21 लाख से अधिक राशन कार्ड हुए रद्द...!

नहीं मिलेगा सरकारी अनाज

मुंबई : भारत में राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। पछिले दनिों में सरकार ने राशन कार्ड धारकों के खलिाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब ढाई करोड़ राशन कार्ड रद्द कर दिए हैं। इस बारे में सरकार की तरफ से जानकारी दी गई है। राज्यसभा में पछिले दनिों बीजेपी सांसद सुशील कुमार मोदी के एक प्रश्न के जवाब में ग्रामीण विकास और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने यह बड़ी जानकारी सांझा की है।

केंद्रीय राज्यमंत्री द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि भारत में साल 2017 से 2021 तक पांच साल के दौरान जाली, डुप्लीकेट और अपात्र करीब 2 करोड़ 41 लाख राशन कार्ड रद्द किए गए हैं. उन्होंने यह भी बताया कि सिर्फ बिहार में ही 7.10 लाख राशन कार्ड रद्द हुए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे उत्तर प्रदेश है। यूपी में सबसे ज्यादा 1.42 करोड़ राशन कार्ड को रद्द कयिा गया है। इसके बाद इस लिस्ट में महाराष्ट्र है। महाराष्ट्र में 21.03 लाख राशन कार्ड कैंसल कएि गए है।

बता दें कि इस बार फरि से सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नेशनल फूड सक्यिोरटिी एक्ट (एनएफएसए) के तहत राशन कार्ड का फायदा लेने वाले 70 लाख कार्ड धारकों को संदग्धिों की लिस्ट में रखा गया है। केंद्र सरकार की ओर से यह डाटा ग्राउंड वेरफिकिशन के लिए राज्यों के पास भेजा गया है। सत्यापन में इस बात का पता लगाया जाएगा कि जनिका नाम लिस्ट में शामिल कयिा गया है वे एनएफएसए के तहत राशन पाने के लिए योग्य हैं या नहीं। इस मामले में फूड सेक्रेटरी सुधांशु पांडे के मुताबिक, अगर 70 लाख में से आधे भी नयिमानुसार सही नहीं पाए गए तो उनकी जगह रद्द करके नए पात्रों को मौका दयिा जाएगा। राशन कार्ड रद्द होने के बाद उनकी जगह नए पात्रों के नाम शामिल किए जाते हैं।

महिला टीचर ने मासूम छात्रा को गर्म लोहे की रॉड से जलाया...!

होम वर्क ना करना बना वजह

नवी मुंबई : महाराष्ट्र के नवी मुंबई से दिल दहला देने वाली एक खबर सामने आ रही है. इस खबर में एक परिवार ने ट्यूशन क्लास देने वाली महिला टीचर पर बेहद संगीन आरोप लगा दिए है. महिला ने बताया कि उसकी साढ़े तीन साल की बेटी को ट्यूशन टीचर ने गर्म लोहे की रोड़ से जला दिया है. दरअसल पीड़ित बच्ची की माँ ने बताया कि ट्यूशन से मिला होमवर्क उनकी बेटी ने नहीं किया था. जिसकी वजह से आरोपी महिला टीचर ने मासूम बच्ची के पेट, गाल और हाथों को गर्म लोहे की रोड़ से जलाया दिया था. टीचर की इस हैवानियत से पीड़ित बच्ची सहम गई है और वह कुछ भी बोल नहीं पा रही है.

नाबालिक दिव्यांग लड़की के साथ हैवान शख्स खेत में करता रहा लगातार रेप

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के इंदापुर तालुका के एक गांव में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। दरअसल यहां कक्षा 6 में पढ़ने वाली 13 वर्षीय विकलांग और मासूम लड़की के साथ बार-बार बलात्कार किया गया है। इतना ही नहीं बल्कि हैरानी की बात यह है कि लड़की गर्भवती हो गई और मामला चर्चा में आ गया । वालचंदनगर थाने में मामला दर्ज कर आरोपी महिला शुभांगी अमोल कुचेकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आइए जानते है क्या है पूरी खबरङ्ग खेत में बार-बार दुष्कर्म पुलिस के मुताबिक, यह हैरान करने वाली घटना इंदापुर तालुका में हुई है। बता दें कि इस मासूम बच्ची का नवंबर 2021 और अप्रैल 2022 के बीच बार-बार बलात्कार किया गया। यह तब हुआ जब कक्षा 6 में पढ़ने वाली इस दिव्यांग बच्ची से शुभांगी कुचेकर नाम की महिला मीठी-मीठी बातें करके उसे कार से आए अनिल नलवड़े के साथ गन्ने के खेत में भेज देती थी।

फिर उस मासूम बच्ची के साथ वहा बार-बार दरिंदगी होती थी। लड़की हुई गर्भवती दरअसल पिछले हफ्ते लड़की के पेट में अचानक दर्द हुआ ऐसे में उसकी मां उसे बारामती अस्पताल जांच के लिए ले गई थी । उसके बाद लड़की ने सारी बात बताई और लड़की की सारी बातों को सुनकर लड़की की मां वालचंदनगर पुलिस के पास पहुंची।

नाबालिग लड़कियों की शील भंग करने के मामले में मौलवी गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के करजात इलाके में तीन नाबालिग लड़कियों का शील भंग करने के आरोप में 65 वर्षीय धर्मगुरु को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी । पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि घटना सोमवार को तब सामने आई जब एक महिला ने देखा कि मौलवी उनकी 12 वर्षीय बेटी को अनुचित रूप से छू रहा है। उन्होंने बताया, ह्लघटना करजत में बोहरा मुस्लिम समुदाय के एक दफ्तर में हुई जहां बच्चे पवित्र किताब पढ़ने के लिए जमा होते हैं। 12 वर्षीय लड़की की शिकायत पर हमने धर्मगुरु को गिरफ्तार कर लिया है।

मैट को दफ्तर मुहैया कराने पर फैसला ले महाराष्ट्र सरकार : अदालत

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार को महाराष्ट्र प्रशासनिक अधिकरण (मैट) को अदालत के आदेश की प्रतीक्षा किए बगैर स्वयं कार्यालय उपलब्ध कराने पर फैसला लेना चाहिए। न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति माधव जामदार अधिवक्ता योगेश मोरबाले द्वारा रिक्तियों और मैट के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी पर दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। मैट के अधिवक्ता अमृत जोशी ने अदालत को आज बताया कि मेट्रो परियोजना के कारण मैट के कार्यालय को मौजूदा विधानभवन परिसर के पास से नरीमन प्वाइंट स्थानांतरित करना है। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) पहले मैट को मासिक किराए के रूप में

33 लाख रुपये देता था । लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव को जुलाई में भेजे गए एक पत्र में एमएमआरसीएल ने कहा कि मेट्रो परियोजना में देरी के कारण वह आर्थिक परेशानी में है और मैट को किराए का पैसा नहीं दे पाएगा। उसने कहा कि राज्य सरकार मैट को इसका भुगतान करे। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह दो सप्ताह के बाद मामले की सुनवाई करेगा लेकिन सरकार को उसके आदेश का इंतजार नहीं करना चाहिए।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

ई-वाहन सुरक्षा

तेलंगाना के सिकंदराबाद में सोमवार देर रात एक इलेक्ट्रिक व्हीकल शोरूम में लगी आग से आठ लोगों की दर्दनाक मौत की घटना ने ऐसे वाहनों की यांत्रिकी और प्रशासनिक लापरवाही, दोनों को सवालों के घेरे में ला दिया है। प्रशासनिक लापरवाही तो आपराधिक स्तर की है, क्योंकि प्रारंभिक ब्योरों के मुताबिक, ई-बाइक का शोरूम रूबी प्राइड लग्जरी होटल के भूतल में चल रहा था। दुर्घटना के वक्त होटल में कई लोग ठहरे हुए थे। चूंकि यह होटल स्टेशन से सटा हुआ है, इसलिए हादसे के शिकार हुए ज्यादातर लोग बाहरी बताए जाते हैं। जाहिर है, मृतकों के परिजनों व घायलों के लिए केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से मुआवजे की घोषणा कर दी गई है, जांच के आदेश का कर्मकांड भी पूरा हो गया है। लेकिन असली सवाल यह है कि इस किस्म के हादसों को रोकने के लिए प्रशासनिक तंत्र अब कितनी ईमानदारी बरतेगा? अगर पिछली घटनाओं से कोई सबक सीखा गया होता, तो क्या एक होटल के नीचे ऐसे शो-रूम चलाने की इजाजत मिली होती? और अगर वह गैर-कानूनी रूप से चल रहा था, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जिम्मेदारी किसकी थी?

सिकंदराबाद हादसे का जो सबसे गंभीर पहलू है, वह ई-वाहनों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। पिछले कुछ महीनों के भीतर ई-वाहनों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अप्रैल में तमिलनाडु में एक ऐसी ही घटना घटी थी, जिसमें ई-बाइक की बैटरी चार्ज करने के दौरान लगी आग में पूरा शो-रूम जलकर राख हो गया था। इसलिए परिवहन मंत्रालय को अपनी तरफ से सिकंदराबाद हादसे की जांच करानी चाहिए। इस संदर्भ में चिंता की बात यह है कि नामचीन कंपनियों के ई-वाहनों में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। पर्यावरण पर बढ़ते खतरों, प्रदूषण और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण महानगरों व बड़े.शहरों का भविष्य ई-वाहनों पर निर्भर करेगा। इनकी तरफ आम लोगों का रुझान बढ़ना स्वाभाविक है, फिर खुद सरकार ऐसे वाहनों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर रही है। 19 मार्च तक देश में 10.6 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हो चुका था। ऐसे में, जरूरी है कि इनकी यांत्रिकी में त्रुटि संबंधी शंकाओं को पूरी तरह दूर किया जाए।

तेलंगाना की ताजा घटना सरकारों के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि आवासीय परिसरों के आस-पास चलने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की निगरानी किस कदर जरूरी है। हालांकि, यह वारदात सामाजिक उदासीनता का भी गंभीर उदाहरण है। आखिर जब कोई गैर-कानूनी काम या स्वास्थ्य के लिहाज से हानिकारक गतिविधि हमारे आस-पास शुरू होती है, तब बतौर नागरिक हम प्रशासनिक अमले की कितनी मदद करते हैं? मौजूदा दौर में शायद ही कोई मुहल्ला या इलाका होगा, जहां के लोग किसी व्यवसाय की प्रकृति और वैधानिक स्थिति से पूरी तरह गाफिल हों, लेकिन नागरिक कर्तव्यों के प्रति बढ़ती उदासीनता ने पिछले कुछ वर्षों में मुनाफाखोर तत्वों के हौसले बुलंद किए हैं। तंत्र में पैठे भ्रष्ट तत्वों के साथ मिलकर वे धड़ल्ले से गैर-कानूनी कारोबार कर रहे हैं। कोई भी व्यवस्था सिर्फ कायदे-कानून बना देने से प्रभावी नहीं होती, वह अधिकार चेता नागरिकों की बदौलत ही सफल होती है। तरक्की की बुलंदी पर पहुंचने के लिए देश को इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ सजग नागरिक-संस्कृति की भी दरकार है। तभी सिकंदराबाद जैसे हादसों को हम टाल सकेंगे।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

टीचर बना राक्षस, बेहोश होने तक बच्चे की लाठी-पाइप से जमकर पिटाई, अस्पताल में करना पड़ा भर्ती

महाराष्ट्र : कुछ खबरें ऐसी समाने आती है जो दिल दहला देती है, ऐसी ही एक सनसनीखेज खबर महाराष्ट्र के गोंदिया से सामने आई है, दरअसल यहां छात्र के शारीरिक परीक्षण के दौरान एक नहीं बल्कि दो शिक्षकों ने छात्र को बहुत बेरहमी से पीटा। यह छात्र छटी क्लास में पढ़ता था, जिसे शिक्षकों ने बेहोश होते तक पिटा। आपको बता दें कि यह क्रूरता भरी घटना गोंदिया के प्रसिद्ध प्रोग्रेसिव्ह स्कूल में घटी है। आइए जानते है पूरी खबर क्या है..

शिक्षण की छात्र के साथ बेरहमी

अब इस मामले को लेकर बच्चे के माता-पिता आदिवासी विकास परियोजना अधिकारी और पुलिस अधिकारी को शिकायत की है। एक निगरानी समिति ने मामलों का गठन किया है। इसके बाद, यह क्रूरता भरा कांड करने वाले शिक्षकों में से एक को निलंबित कर दिया गया जबकि दूसरे ने माफीनामा लिख कर दिया है। गोंदिया ग्रामीण पुलिस से माता-पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों शिक्षकों तेजेश्वर तुरकर और लालचंद पारधी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया है।

बच्चा अस्पताल में भर्ती

दरअसल बीते 30 अगस्त को प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल स्कूल में शारीरिक परीक्षण के दौरान ये घटना हुई है, जहां छठी कक्षा के एक आदिवासी छात्र को शिक्षक ने बेहोश होते तक पीटा है। आपको बता दें कि यह छात्र मुरपार का रहने वाला है। स्कूल ने सूचित किया कि लड़का बेहोश हो गया है, ऐसे में माता-पिता स्कूल पहुंचे और लड़के को अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के बाद जब उससे पूछताछ की गई तो उसने खुलासा किया कि शिक्षक ने उसके साथ मारपीट की है।

डर के मारे स्कूल जाने से मना

बच्चे द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर अभिभावकों ने आदिवासी परियोजना अधिकारी देवरी के पास शिकायत दर्ज कर शिक्षक सहित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस मामले में आरोपी शिक्षक को अब निलंबित कर दिया गया है। हालांकि अभिभावकों का कहना है कि घटना को लेकर छात्र बहुत डर सा गया है और अब स्कूल जाने से मना कर रहे हैं। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी छाई हुई है।

छात्रा से बलात्कार के लिए कोचिंग क्लास के शिक्षक को 20 साल का कारावास

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 44 वर्षीय शिक्षक को नाबालिग छात्रा के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश माहेश्वरी बी. पटवारी ने नवी मुंबई के कोपरखैरणे के निवासी संजय भगचंदानी को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दोषी पाया। न्यायाधीश ने उसपर 30 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। विशेष लोक अभियोजक विवेक काडू ने कहा कि उस समय 17 वर्ष की रही पीड़िता जहां कोचिंग क्लास लेती थी, वहीं पर भगचंदानी अकाउंटेंसी पढ़ाता था। अभियोजन के अनुसार अक्टूबर 2019 में वह लड़की को अपने घर ले गया और उससे बलात्कार कर दिया।

लड़की ने अपने माता पिता को आपबीती सुनाई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने सजा सुनाते हुए कहा, ‟अपराध की गंभीरता और समाज के मनोबल पर इसके प्रभाव से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। सजा ऐसी होनी चाहिए, जिससे इस तरह के अपराधों पर लगाम लगे।'

गुजरात में फिर ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी गई

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृहराज्य गुजरात को भले ही देश पटल पर विकास के आईने के रूप में भुनाने की कोशिश की जाती रही है लेकिन भाजपा शासित इस राज्य की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। पिछले कई दिनों से सामने आ रही वारदातों को देखते हुए सूबे की जनता ही कह रही है कि गुजरात ड्रग्स, डर और तस्करी का गढ़ बन गया है। गुजरात में फिर ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी गई है, जिसमें पाकिस्तान से मादक पदार्थों की तस्करी होने का खुलासा हुआ है।

झोपड़पट्टी क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्र मुंबईकरों के लिए साबित होंगे वरदान!

मुंबई : झोपड़पट्टी बाहुल्य क्षेत्रों में रहनेवाले गरीबों को अक्टूबर से मनपा की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उनके घरों के पास ही मिल जाएंगी। इसके तहत 'हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे' स्वास्थ्य केंद्र के लिए मनपा ने मुंबई की झोपड़पट्टियों में स्थित ५० स्थानों को सुनिश्चित किया है। इतना ही नहीं, इसके लिए आवश्यक डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति भी की जा चुकी है। यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि अक्टूबर से इन स्वास्थ्य केंद्रों की सुविधा लोगों को मिलने लगेगी।

मुंबईवासियों के घर के निकट स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने और बीमारी के बिगड़ने से पहले उसका समय पर इलाज करने के उद्देश्य से इस साल के बजट में मनपा ने 'हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे' स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने का प्रावधान किया। इसके तहत पहले चरण में १०० और दूसरे चरण में १०० स्वास्थ्य केंद्रों को शुरू किया जाएगा। मनपा के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि इस पर क्रियान्वयन शुरू हो गया है। इन स्वास्थ्य केंद्रों के लिए पोर्टा केबिन में स्वास्थ्य केंद्र शुरू किए जाएंगे। मनपा के नियमित स्वास्थ्य केंद्र शाम चार बजे के बाद बंद होने के बाद भी नए स्वास्थ्य केंद्र रात १० बजे तक खुले रहेंगे। यहां पर डॉक्टरों के साथ ही नर्सों, सफाईकर्मियों की भी नियुक्ति की जाएगी। इस उपक्रम के लिए नियुक्त किए गए २०० डॉक्टरों में से ९० डॉक्टरों को शॉर्टलिस्ट किया गया है।

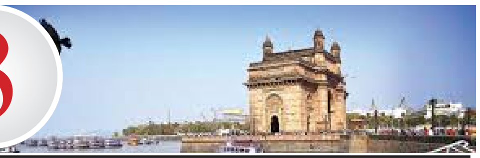

ठेकेदारों की मिलीभगत से मनपा को लगा 1500 करोड़ का चूना

भाजपा ने मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर पूरे मामले की जांच करने की उठाई मांग

मुंबई : मनपा में ठेकेदारों और मनपा अधिकारियों के बीच मिलीभगत होकर मनपा को चूना लगाने का मामला जगजाहिर है। अब एक नया मामला डेब्रिज घोटाले का सामने आया है। ठेकेदारों और मनपा अधिकारियों की मिलीभगत से 1500 करोड़ का घोटाला होने का आरोप भाजपा ने लगाया है। भाजपा के मनपा नेता रहे विनोद मिश्रा ने मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जाँच करने की गुहार लगाई है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मनपा ने जो ठेका दिया है वह तीन से चार गुना ज्यादा दर पर है।उन्होंने घोटाले में शामिल कंपनी की जानकारी देते हुए कहा कि जिस कंपनी ने मनपा का ठेका लिया है वही कंपनी नागपुर में इसी कार्य

के लिए काफी कम दर पर ठेका लिया है। कंपनी पर नागपुर में घपला करने का भी आरोप लगा है और उसे ब्लैक लिस्टेड की कार्रवाई की जा रही है बावजूद इसके मनपा अधिकारी मुंबई मनपा का काम देने में तुले है। भाजपा नेता विनोद मिश्रा ने मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को पत्र लिख कर मामले की जांच और ठेका रद्द करने की मांग की है। मिश्रा ने कहा कि चीफ इंजिनियर (एसडब्ल्यूएम) द्वारा मुंबई में डेब्रिज उठाने, ट्रांसपोर्ट, प्रोसेसिंग और डिस्पोजल के लिए जारी टेंडर में फेरबदल की वजह से बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि बीएमसी ने डेब्रिज मैनेजमेंट के लिए टेंडर निकाला था, जिसमें दो कंपनियों ने भाग लिया। दोनों ही कंपनियों ने एक दूसरे जगह पर एक दुसरे नंबर पर रहते हुए दोनों जगहों पर ठेका लेने का काम किया है। टेंडर की दर 1500 रुपये प्रति मीट्रिक टन है, जो कि तय दर से लगभग तीन गुना अधिक है।ठेकेदारों ने मनपा के निश्चित दर से 35 से 40 प्रतिशत अधिक दर पर टेंडर भरा। इसके बावजूद मनपा अधिकारियों ने ठेकेदार को ठेका देने का काम किया।

पालघर: नदी पार कर स्कूल जाने को मजबूर आदिवासियों के बच्चे...

पालघर : पढ़ना है जरूरी इसलिए रोज है यह मजबूरी। यह कोई स्लोगन नहीं है, बल्कि पालघर के ग्रामीण इलाकों में स्कूल जानेवाले बच्चों की कष्टभरी हकीकत है, जो उनकी रोज की जिंदगी का एक हिस्सा बन गया है। जिले के आदिवासी क्षेत्र जव्हार तालुका की आकरे ग्रामपंचायत स्थित आंबेचापाडा-तासुपाड़ा में कई गांव के १ से लेकर १२वीं तक के स्कूली बच्चे रोज जान हथेली पर लेकर एक तटबंध के सहारे नदी को पार कर स्कूल पहुंचते हैं। इन बच्चों ने प्रधानमंत्री मोदी जी से मार्मिक अपील की है कि आजादी के अमृत महोत्सव पर एक पुल बनवाकर उनकी समस्या का हल किया जाए।

देश में आज भले ही शिक्षा का

अधिकार कानून लागू है लेकिन पालघर के दूर-दराज के इलाकों में रहनेवाले बच्चों के लिए शिक्षा हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कई वर्षों से गांव के बच्चे व आस-पास रहनेवाले ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नदी पार कर अपनी मंजिल तक पहुंचने को मजबूर हैं। गौरतलब है कि बरसात के मौसम में जहां जिला प्रशासन नदी-नालों में जाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाता है, वहीं पालघर के आदिवासी बाहुल्य इलाके के लोग इन नियमों की अनदेखी करने को मजबूर हैं और यहां के स्कूली बच्चे जान जोखिम में डालकर बहती हुई नदी पार करके स्कूल जाते हैं। इलाके के विभिन्न गांवों के लोग सालभर अपनी जान जोखिम में डालकर रोजाना इस नदी को पार करते हैं।

लोगों का कहना है कि वर्षों से ही इस नदी को पार करने की समस्या से हम ग्रामीण जूझ रहे हैं। इस समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों को अवगत करा चुके हैं लेकिन कोई भी जिम्मेदार जनप्रतिनिधि से लेकर प्रशासनिक अधिकारी इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

केंद्रीय एजेंसियों को मुंबई हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

मुंबई : सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों को जमानत मिलने के बाद भी आरोपियों को लुकआउट नोटिस जारी करने के लिए कल मुंबई हाईकोर्ट ने जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि जमानत मिलने के बाद आरोपी न्यायालय की हिरासत में रहता है। फिर आप उसे लुकआउट नोटिस वैष्से जारी कर सकते हैं? कोर्ट ने कहा कि सीबीआई, ईडी खुद को संसद से बड़ा समझती हैं क्या? इतना ही नहीं, आप कोर्ट के आदेश को ताक पर रखकर संसद की अवमानना कर रहे हैं। ऐसे शब्दों में कोर्ट ने जांच एजेंसियों की क्लास भी लगाई। यस बैंक घोटाले की जांच सीबीआई, ईडी की तरफ से जारी है। सीबीआई के अनुरोध पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यस बैंक के प्रबंधक निदेशक राणा कपूर की बेटी रोशनी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। यस बैंक के मामले में सीबीआई ने रोशनी कपूर को आरोपी बनाया है। लुकआउट नोटिस को लेकर रोशनी ने सीबीआई के खिलाफ मुंबई हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की खंडपीठ के समक्ष कल याचिका पर सुनवाई हुई। खंडपीठ ने इस याचिका पर गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। न्यायमूर्ति ने कहा कि लुकआउट नोटिस सिर्फ फरार आरोपियों के लिए होता है। यदि कोई आरोपी एक बार गिरफ्तार हो जाए उसके बाद लुकआउट नोटिस का कोई मतलब नहीं रह जाता है। मुंबई हाईकोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता हितेन वेणेगांवकर ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा। खंडपीठ के समक्ष उन्होंने तर्क दिया कि अगर कोई आरोपी जमानत पर छूट जाता है, तब भी लुकआउट नोटिस को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। आरोपी जमानत पर छूटने के बाद विदेश भाग जाता है और उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हालांकि उनके इस तर्क पर न्यायमूर्ति ने असहमति जताई और कहा कि आवेदनकर्ता को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल जाने पर लुकआउट नोटिस जारी करने का सवाल ही नहीं उठता है।

मुंबई पर पाकिस्तानी दहशतवादियों की नजर

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर पाकिस्तानी दहशतवादियों की नजर है। मुंबई में वे बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की साजिश बना रहे हैं। इसके लिए वे किराए के मकानों का इस्तेमाल कर सकते हैं, ऐसी पुलिस के खुफिया विभाग की चेतावनी है। ऐसे में मुंबईकरों को पूरी तरह सावधान रहने की जरूरत है। उनके किराए के मकान में कहीं पाकिस्तानी दहशतगर्द तो नहीं रह रहा है। मकान मालिकों का किराएदार कहीं आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी में तो नहीं? इन सभी विषयों को गंभीरता से लेते हुए मुंबईकरों को पूरी तरह सावधान रहने का निर्देश मुंबई पुलिस ने दिया है। मुंबई में आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए पाकिस्तानी आतंकवाद

साइलेंट साजिश रच रहे हैं, इसकी सूचना पुलिस के खुफिया विभाग को मिलते ही पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। पुलिस आयुक्त के निर्देश के बाद पुलिस विशेष अभियान चलाकर पाकिस्तानी दहशतवादियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस किराए के मकानों में रहनेवालों का पूरा विवरण जुटा रही है। प्रत्येक पुलिस स्टेशन को आयुक्त का स्पष्ट निर्देश है कि क्षेत्र में किराएदारों पर नजर रखी जाए। मकान मालिकों से उनकी पूरी जानकारी ली जाए। पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई में पाकिस्तानी आतंकी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं। पुलिस के खुफिया विभाग को यह जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस चौकन्नी हो गई है। किराएदारों के रूप में पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ को रोकने के लिए पुलिस ने किराएदारों को जांच के दायरे में लिया है। पुलिस ने ६ सितंबर से ४ नवंबर के बीच विशेष अभियान चलाकर किराए के मकान में रहनेवालों पर कड़ाई बरती है तथा सभी मकान मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि किराएदार रखने से पहले उसका पूरा विवरण पुलिस स्टेशन में जमा कराएं। जो भी मकान मालिक नियमों का पालन नहीं करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन मुंबई को टारगेट बनाने की फिराक में हैं, जिसे लेकर पुलिस चुस्त हो गई है। डीसीपी संजय लटकर ने बताया कि पुलिस ने ११४ के तहत सभी पुलिस थानों को नोटिस जारी करके सतर्क रहने का निर्देश दिया है। सभी पुलिस थानों को उनके क्षेत्र में किराएदारों की पूरी जानकारी जुटाने व मकान मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे किराएदार का पूरा विवरण पुलिस को दें और पुलिस को अवगत कराएं।

रिवॉल्वर से चली गोली, RTO अधिकारी जख्मी, 4 महीने बाद फिर शुरू हुई जांच

नागपुर : घर में ही रिवॉल्वर से गोली चलने के कारण एक आरटीओ (पळड) अधिकारी जख्मी हो गया. 4 महीने बाद दोबारा पुलिस ने मामले की इंक्वायरी शुरू की है. घटना को लेकर अब भी संभ्रम बना हुआ है क्योंकि जो जानकारी पुलिस को दी गई है वह पचने लायक नहीं है. जख्मी हुए अधिकारी अभ्यंकरनगर निवासी संकेत गायकवाड़ (32) बताया गया. संकेत आरटीओ इंस्पेक्टर है. विगत 7 मई को संकेत काम पर जाने के लिए तैयार हो रहे थे. वर्दी डालने के बाद उन्होंने अपनी सर्विस रिवॉल्वर का पाउच उठाया. पाउच हाथ से छूटकर नीचे टेबल पर गिरा. रिवॉल्वर से गोली चल गई. बाएं पैर से गोली आर-पार निकलकर दाएं पैर में जा घुसी. गोली चलने की आवाज सुनकर पड़ोसी संकेत के घर की तरफ दौड़े. उन्हें जख्मी अवस्था में देखा. तुरंत उपचार के लिए धंतोली के निजी अस्पताल ले जाया गया. वहां सर्जरी करके गोली बाहर निकाली गई. अस्पताल प्रबंधन ने घटना की एमएलसी धंतोली पुलिस को दी. घटनास्थल बजाजनगर थाना क्षेत्र में होने के कारण धंतोली पुलिस ने प्रकरण हस्तांतरित कर दिया. संकेत के बयान के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया था. केस डायरी बजाजनगर के थानेदार विठ्ठलसिंह राजपूत के पास पहुंची. मंगलवार को उन्होंने संकेत को पूछताछ के लिए थाने बुलाया. दोबारा उनका बयान दर्ज किया गया. जिस सर्विस रिवॉल्वर से गोली चली है उसमें लॉक होता है. केवल जमीन पर गिरने से गोली कैसे चल गई यह वाकई में जांच का विषय है.

सोने-चांदी में गिरावट: सोना गिरकर 50 हजार के करीब आया, चांदी भी 56 हजार पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार को भी इनकी कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसके चलते सोना फिसलकर 50 हजार के करीब आ गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 14 सितंबर को सर्राफा बाजार में सोना 380 रुपए सस्ता होकर 50,296 रुपए पर आ गया है। वहीं, वायदा बाजार, यानी एमसीएक्स पर दोपहर 1 बजे सोना 112 रुपए की गिरावट के साथ 50,026 रुपए पर ट्रेड कर रहा था।

फिर 56 हजार पर आई चांदी

चांदी में आज बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसके चलते चांदी फिर 56 हजार पर आ गई है। सर्राफा बाजार में ये 1,215 रुपए सस्ती होकर 56,055 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। एमसीएक्स पर दोपहर 1 बजे ये 396 रुपए कमजोर होकर 56,415 रुपए पर ट्रेड कर रही थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1,700 डॉलर पर आया सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना 1,700.68 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 19.32 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

त्योहारी सीजन में देखने को मिल सकती है तेजी

अभी पितृ पक्ष चल रहे हैं। इस दौरान सभी प्रकार के मांगलिक, वैवाहिक और अन्य शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। ऐसे में इससे सोना-चांदी की मांग में कमी आ जाती है। वहीं इसके बाद नवरात्रि के साथ त्योहारी सीजन में सोना-चांदी की मांग बढ़ेगी। इससे इसके दामों में भी तेजी देखने को मिल सकती है।

मिस्ड कॉल देकर पता लगाएं सोने का रेट

आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

देश के डेयरी बाजार का आकार वर्ष 2027 तक दोगुना से अधिक बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये तक होने का अनुमान : एनडीडीबी

ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। देश के डेयरी बाजार का आकार वर्ष 2027 तक दोगुना से अधिक बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये तक होने का अनुमान है। दूध उत्पादन की मात्रा और मूल्य दोनों ही स्तर पर वृद्धि होने के कारण बाजार बढ़ेगा। एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने मंगलवार को यह कहा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार 'असंवेदनशील' नहीं है और यह अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करते समय आठ करोड़ डेयरी किसानों के हितों की रक्षा करेगी। शाह ने कहा कि भारतीय डेयरी बाजार का आकार वर्ष 2021 में 13 लाख करोड़ रुपये का था और इसके वर्ष 2027 तक 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वृद्धि दूध और अन्य डेयरी उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ मूल्य में बढ़ोतरी के कारण होगी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष शाह 12-15 सितंबर के दौरान यहां इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन वर्ल्ड डेयरी समिट (आईडीएफ डब्ल्यूडीएस) 2022 में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ प्रस्तावित एफटीए से डेयरी क्षेत्र पर होने वाले प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर, शाह ने कहा कि लगभग आठ करोड़ किसान डेयरी क्षेत्र से आय सृजित करते हैं।

अडानी ग्रुप करेगा रियल्टी कंपनी को मर्ज, डील के बाद बदलेगा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी भारत के सबसे बड़े रियल एस्टेट डील करने जा रहे हैं। खबर है कि अरबपति गौतम अडानी की लग्जरी आवासीय और कमर्शियल प्रॉपर्टी अडानी रियल्टी मुंबई स्थित डीबी रियल्टी के साथ मर्ज हो सकती है। इसके लिए दोनों कंपनियों में बातचीत चल रही है। हिन्दु बिजनेसलाइन की खबर के मुताबिक, अडानी रियल्टी मुंबई की डीबी रियल्टी के साथ मर्जर पर बातचीत कर रही है और अगर यह डील हो जाती है तो डीबी रियल्टी का नाम बदलकर अडानी रियल्टी कर दिया जाएगा। बता दें कि यह देश का अब तक का सबसे बड़ा रियल्टी सौदा हो सकता है।

डीबी रियल्टी के शेयरों में लगा अपर सर्किट: बता दें कि इस डील की खबर मीडिया में आते ही पिछले दो कारोबारी दिन से डीबी रियल्टी का शेयर अपर सर्किट को हिट कर रहा है। आज बुधवार को कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत अपर सर्किट के साथ 98.75 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को भी कंपनी के शेयर अपर सर्किट में रहे थे। पिछले पांच कारोबारी दिन में यह शेयर 12.79 प्रतिशत चढ़ा है। इस साल वायटीडी में यह शेयर 101.94 प्रतिशत और पिछले एक साल में यह शेयर 228.62 प्रतिशत चढ़ गया है।

डीबी रियल्टी के बारे में जानें?: डीबी रियल्टी के पास 100 मिलियन वर्ग फुट और 628 एकड़ से अधिक की प्रमुख संपत्ति है। इस कंपनी की संपत्ति ज्यादातर मुंबई में है। मर्जर डील पूरी होने के बाद अडानी रियल्टी को एक्सचेंजों पर लिस्ट करने में सुविधा होगी। डीबी रियल्टी में विनोद गोयनका परिवार, बलवा परिवार और कुछ अन्य लोगों के नेतृत्व में प्रमोटरों ने कंपनी में करीब 69 फीसदी हिस्सेदारी रखी है।

राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो का शेयर: लेट राकेश झुनझुनवाला (जिनका पिछले महीने निधन हो गया) और उनकी प प्रतिशती रेखा झुनझुनवाला के पास 30 जून, 2022 तक कुल मिलाकर 50,00,000 लाख इक्विटी शेयर या कंपनी में 1.73 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

महंगाई के मोर्चे पर बड़ी कामयाबी, अगस्त में थोक मुद्रास्फीति घटकर 12.41 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी। अगस्त महीने की खुदरा मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी के बाद भी आम लोगों को जल्द ही महंगाई से निजात मिल सकती है। थोक मूल्य पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में लगातार तीसरे महीने कम होकर 12.41 प्रतिशत पर आ गई है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जुलाई में 13.93 फीसदी और पिछले साल अगस्त में 11.64 फीसदी थी। यह लगातार 17वां महीना है, जब थोक मूल्य मुद्रास्फीति दो अंकों में बनी हुई है। आपको बता दें कि इस साल मई में थोक मूल्य सूचकांक ने 15.88 फीसदी की रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ था। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अगस्त में बढ़कर 12.37 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 10.77 प्रतिशत थी। इस दौरान सब्जियों की कीमतों में 22.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि जुलाई में यह 18.25 प्रतिशत थी। ईंधन और इलेक्ट्रिसिटी बास्केट में मुद्रास्फीति अगस्त में 33.67 प्रतिशत थी, जबकि जुलाई में यह 43.75 प्रतिशत थी। रेडीमेड उत्पादों और तिलहन में यह क्रमशः 7.51 प्रतिशत और (-) 13.48 प्रतिशत था। इसका मतलब यह हुआ कि तिलहन के दामों में भारी गिरावट आई है। हालांकि थोक मुद्रास्फीति में कमी जरूर आई है लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति तैयार करने के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का मानक की तरह स्वीकार कर सकता है। खुदरा मुद्रास्फीति लगातार आठवें महीने रिजर्व बैंक की 6 प्रतिशत के अधिकतम टॉलरेंस बैंड से ऊपर बनी हुई है। अगस्त में खुदा मुद्रास्फीति 7 प्रतिशत थी।

एलन मस्क तोड़ रहे डील तो ट्विटर के शेयरधारक हुए राजी, किया 44 अरब डॉलर के प्रस्ताव का समर्थन

नई दिल्ली एजेंसी। ट्विटर के शेयरधारकों ने 44 अरब डॉलर में इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को खरीदने की एलन मस्क की बिड का समर्थन किया है। ट्विटर ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ट्विटर ने कहा कि प्रारंभिक गणना से शेयरधारकों के इस फैसले का पता लगा है। ट्विटर के शेयरधारकों ने मस्क के प्रस्ताव का समर्थन किया है, भले ही मस्क इस सौदे से पीछे हट रहे हों। यह बात कुछ मिनटों तक चली शेयरधारकों की एक बैठक के दौरान सामने आई। इस बैठक में अधिकांश वोट ऑनलाइन डाले गए थे। बता दें कि ट्विटर ने मस्क पर सौदा पूरा करने के लिए मुकदमा दायर किया हुआ है। अक्टूबर में इसका ट्रायल होगा। ट्विटर का कहना है कि मस्क ने बिना किसी मुद्दे के डील को रद्द किया है।

क्या है मामला?: दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने अप्रैल में ट्विटर के साथ 54.20 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से लगभग 44

अरब डॉलर में डील रखी थी। मस्क के इस प्रस्ताव के कुछ दिन बाद उनका ट्विटर के साथ गतिरोध शुरू हो गया। एलन मस्क ने ट्विटर पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ट्विटर ने उन्हें कारोबार के संबंध में भ्रामक जानकारी दी थी। मस्क ने कहा था कि जब उन्होंने ट्विटर से फेक अकाउंट्स की डिटेल्स मांगी, तो ट्विटर ने इससे इनकार कर दिया। एलन मस्क ने इसके बाद डील कैंसिल कर दी।

मस्क ने हाल ही में बताया था डील तोड़ने का बड़ा कारण: हाल ही में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने ट्विटर डील तोड़ने के पीछे एक और बड़ा कारण बताया था। टेस्ला के सीईओ मस्क ने कहा कि ट्विटर का व्हिसल ब्लोअर को पेमेंट डील को तोड़ने का बड़ा कारण है। मस्क ने कहा कि ट्विटर का एक पूर्व कर्मचारी जो व्हिसल ब्लोअर बन गया था, उसे लाखों डॉलर का भुगतान किया था। यह एक बड़ा कारण था, जिसके चलते मस्क ने ट्विटर को खरीदने की 44 अरब डॉलर की डील को रद्द कर दिया। मस्क का यह बयान वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के बाद आया था। इस रिपोर्ट में कहा गया कि ट्विटर ने एक विवाद के निपटारे के लिए व्हिसल ब्लोअर को सात मिलियन डॉलर भुगतान करने का फैसला लिया। ट्विटर को लिखे एक पत्र में एलन मस्क के वकीलों ने कहा,'पीटर जटको (व्हिसलब्लोअर) और उनके वकीलों को 7.75 मिलियन डॉलर का भुगतान करने से पहले ट्विटर ने उनकी सहमति नहीं ली। इससे मर्जर एग्रीमेंट का उल्लंघन हुआ है।

कम हो रही कीमतें, तब भी क्यों अमेरिका को सता रही है मंदी की आशंका

अमेरिका में महंगाई के कम होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में महंगाई के कम होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इसलिए इससे निपटने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' के आक्रामक कदम उठाने के अनुमान हैं। ऐसे में वित्तीय बाजार में निवेशकों की धारणा प्रभावित हो रही है और मंदी की आशंका बढ़ गई है। लंबे समय से महंगाई का कारण रहे कुछ कारक मसलन गैस की कीमतें, सप्लाई चेन में दिक्कत आदि में थोड़ी कमी आई है लेकिन कुछ अन्य कारण महंगाई की स्थिति को और भी चिंताजनक बना रहे हैं।

अब दाम नहीं बढ़ रहे: बाजार में अब दाम नहीं बढ़ रहे। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे पहले ही आसमान छू चुके हैं। ऐसा कहना ठीक होगा कि महंगाई अब अर्थव्यवस्था में और व्यापक पैठ बना चुकी है। इसके पीछे वजह है मजबूत रोजगार बाजार। कर्मचारियों का वेतन बढ़ा तो कंपनियों को दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। इससे बाजार में चीजें महंगी हुई है, लेकिन वह बिक रही हैं। क्योंकि वेतन बढ़ने से लोगों की खर्च करने की क्षमता भी बढ़ी है।

फिर बढ़ी महंगाई: मंगलवार को सरकार ने कहा कि महंगाई की दर जुलाई से अगस्त के बीच 0.1 फीसदी और सालाना आधार पर 8.3 फीसदी बढ़ गई। हालांकि यह जून के चार दशक के उच्चतम स्तर 9.1 फीसदी से कम है। खाद्य और ऊर्जा जैसी अस्थिर श्रेणियों को छोड़ दें तो बुनियादी दाम भी अनुमान से कहीं अधिक तेजी से बढ़े हैं और ये जुलाई से अगस्त के बीच 0.6 फीसदी बढ़ गए।

आक्रामक कदम उठा सकता है फेडरल रिजर्व: अमेरिकी सेंट्रल बैंक बुनियादी चीजों के दाम पर विशेष ध्यान देता है। हालिया आंकड़ों को देखते हुए कहा जा सकता है कि फेडरल रिजर्व और आक्रामक कदम उठा सकता है। बुनियादी आंकड़ों की मजबूती को देखते हुए ये चिंताएं पैदा हो गई है कि मुद्रास्फीति अब अर्थव्यवस्था के सभी कोनों तक पहुंच चुकी है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 21 फीसदी बढ़ा दिल्ली सरकार का जीएसटी संग्रह

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में दिल्ली सरकार के जीएसटी संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अगस्त में कुल संग्रह 4,349 करोड़ रुपये रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मई में जीएसटी संग्रह 4,113 करोड़ रुपये था, जो जून में बढ़कर 4,313 करोड़ रुपये और जुलाई में 4,327 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। अधिकारियों के मुताबिक, अगस्त में जीएसटी संग्रह बढ़कर 4,349 करोड़ रुपये हो गया, जो उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद शहर में व्यापार और उपभोक्ता मांग में वृद्धि को दर्शाता है। पिछले साल अगस्त में जीएसटी संग्रह 3,605 करोड़ रुपये था, जो इस वर्ष अगस्त में 21 प्रतिशत बढ़कर 4,349 करोड़ रुपये हो गया। मई 2021 में जीएसटी संग्रह 2,771 करोड़ रुपये और जून 2021 में 2,656 करोड़ रुपये था।

पाकिस्तान से एफ-16 विमान डील करके भारत को क्या संदेश देना चाहता है अमेरिका?

रूस और चीन है मुख्य कारण!

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत की विदेश नीति हमेशा राष्ट्रीय हित को लेकर आगे चली है। रूस-युक्रेन युद्ध के दौरान जब पुरी दुनिया के ज्यादातर देश चाहते थे कि भारत रूस की आलोचना करे तब भारत ने अपना राष्ट्र हित देखा और शांत रहा। अमेरिका मे इरान पर सेंशन लगा रखा है इस लिए भारत अपनी तेल की पूर्ति रूस से तेल खरीदकर करता है। ऐसे में भारत पर दवाब डाला जा रहा था कि रूस के साथ भारत अपने व्यापार को नाटो देश की तरह बंद कर दे लेकिन भारत ने देश के अंदर के हितों को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ अपने व्यापार और तेल की खरीद को बंद नहीं किया। अब हाल ही में एससीओ समिट में भी भारत भाग लेने जा रहा है जो शंघाई में होने वाला हैं। ऐसे में अमेरिका पाकिस्तान के साथ एफ 16 का सौदा करके भारत पर दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

बाइडन प्रशासन ने पाकिस्तान को 45 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता देने के कदम को जायज ठहराते हुए कहा है कि एफ-16 लड़ाकू विमान कार्यक्रम अमेरिका-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों का अहम हिस्सा है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि इन लड़ाकू विमानों के बेड़े से पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी अभियान के संचालन में मदद मिलेगी। बाइडन प्रशासन ने आठ सितंबर को पाकिस्तान को एफ-16 युद्धक विमानों के वास्ते 45 करोड़ डॉलर की मदद देने की मंजूरी दी थी। पिछले चार वर्षों में वाशिंगटन की ओर से इस्लामाबाद को दी गई यह पहली बड़ी सुरक्षा सहायता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, 'हमने हाल ही में कांग्रेस (संसद) को अवगत कराया है कि हम पाकिस्तानी वायु सेना के एफ-16 विमानों की मरम्मत और रखरखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर देने जा रहे हैं।' प्राइस ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'पाकिस्तान कई मामलों में हमारा एक महत्वपूर्ण साझेदार है। वह आतंकवाद के खिलाफ जंग में हमारा एक अहम साझेदार है। हम अपनी नीति के तहत अमेरिका में निर्मित उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए सहायता उपलब्ध कराते हैं।'

प्रवक्ता ने कहा, 'पाकिस्तान का एफ-16 कार्यक्रम अमेरिका-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों का एक अहम हिस्सा है और इस प्रस्तावित की मदद से पाकिस्तान को एफ-16 बेड़े की मरम्मत के लिए सहायता मिलेगी, जिससे वह आतंकवाद के वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपट सकेगा।

शहबाज ने सभी पक्षकारों से बाढ़ राहत प्रयासों में सक्रियता से जुटने का अनुरोध किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

विनाशकारी बाढ़ से चरमराई देश की अर्थव्यवस्था के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को सभी हितधारकों से पुनर्वास प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल होने का आह्वान किया। बाढ़ से देश में 40 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक के नुकसान का अनुमान है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की तरफ से दी गई अद्यतन जानकारी के मुताबिक बाढ़ से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 1,481 हो गया है जबकि 12,748 लोग घायल हुए हैं। इसमें बताया गया है कि 12,418 किलोमीटर सड़कों को नुकसान पहुंचा है जबकि 17 लाख से अधिक घर आंशिक या पूरी तरह से बर्बाद हो गए हैं। विनाशकारी बाढ़ के चलते 9,08,137 मवेशियों की भी जान गई है। शरीफ ने मंत्रिमंडल की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'यहपरीक्षा का समय है और हमें एकजुटता दिखानी है।' एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने मंगलवार को खबर दी कि राष्ट्रीय बाढ़ प्रतिक्रिया समन्वय केंद्र (एनएफआरसीसी) ने सोमवार को बाढ़ प्रतिक्रिया केंद्र की एक बैठक में 40 अरब अमरीकी डॉलर के नुकसान का आंकड़ा दिया जहां वित्त मंत्रालय ने 'एन अर्ली असेसमेंट ऑफ फ्लड इंपैक्ट ऑन पाकिस्तान्स इकॉनमी' शीर्षक वाली आकलन रिपोर्ट पेश की। यह नया आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा पिछले हफ्ते पाकिस्तान के एकजुटता दौरे के दौरान दिए गए 30 अरब डॉलर के आंकड़े से काफी ज्यादा है। देश के बाढ़ प्रभावित इलाकों में गुतारेस की हाल की यात्रा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए व्यावहारिक कदमों पर जोर दिया। शरीफ ने कहा कि गुतारेस ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान जलवायु परिवर्तन से प्रेरित आपदा का सबसे खराब शिकार बन गया है, एक ऐसी घटना जिसमें उसका कोई योगदान नहीं है।

अमेरिका में कैंसर से मौत के मामले कम करने के लिए महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने देश में कैंसर के कारण होने वाली मौत के मामले कम करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। अमेरिका में हृदय संबंधी बीमारी के बाद मौत का सबसे बड़ा कारण कैंसर है। अपने बड़े बेटे ब्यू को 2015 में कैंसर के कारण खो चुके बाइडन ने कहा कि लोगों की जान बचाए जाने के मामले बढ़ने के बावजूद कैंसर अमेरिका में हृदय संबंधी बीमारी के बाद मौत का अब भी दूसरा बड़ा कारण है। राष्ट्रपति बाइडन ने बोस्टन में दिए अपने भाषण में नई एजेंसी 'एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसीज ऑफ हेल्थ' (एआरपीए-एच) के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा, ''एआरपीए-एच का एकमात्र मकसद कैंसर, अल्जाइमर, मधुमेह और अन्य बीमारियों को रोकने, उनका पता लगाने और उनका इलाज करने की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों को प्रोत्साहित करना और हमें स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाना होगा।'' बाइडन ने कहा कि अमेरिका को उन्नत जैव प्रौद्योगिकी का देश में निर्माण करने की आवश्यकता है और इसीलिए उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जो संघीय सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देता है कि अमेरिका में आविष्कार की गई जैव प्रौद्योगिकी अमेरिका में ही बनाई जाए, चाहे वह कैंसर के उपचार से संबंधित हो या अगली पीढ़ी के ईंधन और अन्य सामग्री से जुड़ा हो। बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन देश के हर हिस्से के वैज्ञानिकों की नई पीढ़ी का समर्थन करने के लिए पहला 'कैंसर मूनशॉट स्कॉलर कार्यक्रम' शुरू कर रहा है।

पुतिन के जवानों को मिला घातक नई सुखोई एसयू-35, रूसी सैन्य शक्ति में होगा भारी इजाफा

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन की जंग को शुरू हुए 6 महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। वहीं वक्त के साथ पुतिन की सेना का दबाव कम होता दिख रा है। खारकीव इलाके में रूस को बड़े झटके का सामना करना पड़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के दावे की माने तो करीब 2000 किलोमीटर के दायरे को रूसी प्रभाव से मुक्त करा लिया गया है। यूक्रेन को मिलती इस बढ़त के बीच अब, पुतिन के सैनिकों को घातक लड़ाकू जेट प्राप्त हुए हैं। रूसी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी रोस्टेक ने हाल ही में सेना को नए एसयू-35एस दिए हैं।

एसयू-35 हवाई, जमीनी खतरों का सामना करता है और दुश्मन की नौसैनिक सतह बलों का मुकाबला करता है। नवीनतम डिलीवरी यूक्रेन में रूस की सैन्य शक्ति में इजाफा करेगी। कीव के हालिया युद्धक्षेत्र लाभ के बावजूद, रूस ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बमबारी जारी रखी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 10 सितंबर को रूसी राज्य के स्वामित्व वाले रक्षा समूह रोस्टेक ने घोषणा की थी कि रूसी वायु सेना को यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन से एसयू-35एस है। हैवीवेट लड़ाकू विमानों का एक नया बैच प्राप्त हुआ है। इन विमानों का निर्माण रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र में कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर विमान सुविधा में किया गया था।

ताजा बैच 30 विमानों के लिए रूसी रक्षा मंत्रालय और यूएसी के बीच हस्ताक्षरित तीसरे अनुबंध का हिस्सा है। डिलीवरी 2024 में पूरी होने की उम्मीद है। एसयू 35 दुनिया के बेहतरीन विमानों में से एक है। एसयू-35एस की नवीनतम श्रृंखला को तकनीकी कर्मचारियों द्वारा अनुमोदित किया गया था और कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर एविएशन प्लांट में कारखाना परीक्षण पूरा किया गया था। प्रत्येक विमान को हवाई परिचालन परीक्षणों की एक श्रृंखला से गुजरना पड़ा।

आफगानिस्तान में छुपा है खुंखार आतंकी मसूद अजहर! पाकिस्तान ने पत्र लिखकर तालिबानी सरकार पर बनाया दबाव

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

एक पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार से संपर्क किया है। पाकिस्तान पर इन दिनों अपनी धरती से आतंकवाद को खत्म करने का दवाब पश्चिमी देशों से कुछ ज्यादा की बढ़ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान ने मसूद अजहर की तलाश करने के लिए यह कदम उठाया है। फिलहाल संयुक्त राष्ट्र द्वारा मसूद अजहर को खुंखार आतंकी घोषित किए जाने के बाद से ही वह फरार है।

अफगानिस्तान मे छुपा है आतंकी मसूद अजहर!

पाकिस्तानी पक्ष ने तालिबान के विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर अफगानिस्तान में अधिकारियों से अजहर का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि पाकिस्तानी अधिकारियों का मानना है कि अजहर अफगानिस्तान में कहीं छिपा है, जियो न्यूज चैनल ने एक अज्ञात पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से कहा कि यह घटनाक्रम से जुड़ा है। पत्र में कहा गया है कि अजहर के नंगरहार प्रांत या अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में छिपे हुए होने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि अगस्त 2021 में काबुल में तालिबान के सत्ता में आने से पहले या उसके बाद अजहर अफगानिस्तान चला गया था या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की। भारतीय अधिकारियों की ओर से इस घटनाक्रम पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

तालिबानी सरकार को पाकिस्तान ने लिखा पत्र

इस साल की शुरुआत में पश्चिमी शक्तियों ने अजहर, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद और लश्कर के संचालक साजिद मीर सहित 30 प्रमुख आतंकवादी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक में भारत के आह्वान का समर्थन किया। पाकिस्तान ने महीनों तक तर्क दिया था कि इस साल की शुरुआत में अधिकारियों द्वारा उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि करने से पहले मीर की मौत हो गई थी। बाद में मीर को प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य होने, समूह के लिए धन जुटाने और आतंकी गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराने के लिए पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था।

एफएटीएफ ने 28 अगस्त से 2 सितंबर तक पाकिस्तान का 'ऑन-साइट दौरा' किया, ताकि आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग का मुकाबला करने के लिए बहुपक्षीय निगरानीकर्ता की कार्य योजनाओं के साथ देश के अनुपालन की समीक्षा की जा सके। यह अक्टूबर में होने वाली एक बैठक में एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' से पाकिस्तान के संभावित निष्कासन से पहले आया था।

पहले मणि रत्नम ने किया था अमाला पॉल को रिजेक्ट, बाद में एक्ट्रेस ने ठुकराया पोन्नियन सेल्वन का ऑफर

एक्ट्रेस अमाला पॉल ने हाल ही में एक खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में अमाला ने बताया कि उन्होंने मणि रत्नम की अपकमिंग फिल्म पोन्नियन सेल्वन में काम करने का ऑफर ठुकरा दिया था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें इस अपॉर्च्यूनिटी के जाने का बिलकुल पछतावा नहीं है, क्योंकि उस वक्त वो फिल्म को करने की मेंटल स्थिति में नहीं थीं। इसके पहले मणि रत्नम ने अमाला पॉल को सेम प्रोजेक्ट के लिए रिजेक्ट कर दिया था।

पोन्नियन सेल्वन के लिए दिया था ऑडिशन

टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में अमाला से सवाल किया गया कि एक ऐसी फिल्म जो उन्होंने न चाहते हुए ठुकराई है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, मणि रत्नम सर ने पोन्नियन सेल्वन के लिए मेरा ऑडिशन लिया था। मैं मणि सर की बहुत बड़ी फैन हूं और मैं इसे लेकर बेहद एक्साइटेड थी, लेकिन उस वक्त मुझे रोल के लिए नहीं चुना गया। मैं बहुत निराश और दुखी हुई थी।

अमाला ने ठुकराया था फिल्म का ऑफर

अमाला ने आगे कहा, मणि रत्नम सर ने मुझे 2021 में उसी प्रोजेक्ट के लिए फोन किया, लेकिन मैं उस वक्त इस फिल्म को करने की मेंटल स्टेट में नहीं थी। इसलिए मुझे इस प्रोजेक्ट को न कहना पड़ा। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि मुझे अपने इस फैसले पर पछतावा है, तो ऐसा बिलकुल नहीं है। कुछ चीजें परफेक्ट होती हैं। इस फिल्म को अच्छे से डिजाइन किया गया है।

ऐश्वर्या राय डबल रोल में आएंगी नजर

पोन्नियन सेल्वन पार्ट 1 कल्कि के मास्टरपीस साहित्य पर आधारित है। यह फिल्म 30 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोन्नियन सेल्वन में ऐश्वर्या राय, विक्रम, कार्थी, जयम रवि, तृषा, सरथ कुमार और ऐश्वर्या लक्ष्मी लीड रोल में हैं। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय डबल रोल में नजर आएंगी। बता दें कि यह फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज की होगी।

अमाला ने कैडेवर से की बतौर प्रोड्यूसर शुरुआत

अमाला हाल ही में मलयालम थ्रिलर कैडेवर में नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म से बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है। कैडेवर में अमाला ने एक पैथोलॉजिस्ट का रोल प्ले किया है, जो एक सीरियल किलर को पकड़ने में पुलिस की मदद करती है। अमाला को सोनी लिव की पहली तमिल एंथोलॉजी सीरीज विक्टिम में देखा गया था।

तुषार कपूर ने की अपनी थ्रिलर फिल्म मारीच की घोषणा

बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर लंबे समय से बड़े पर्दे से गायब हैं। वहीं अब वह अपनी आगामी फिल्म मारीच के साथ फैंस को एंटरटेन करने के लिए आ रहे हैं। तुषार बहुत जल्द एक थ्रिलर फिल्म मारीच में नजर आने वाले हैं, जिसमें वह एक खतरनाक पुलिस वाले के किरदार में दिखाई देंगे। थोड़े देर पहले मेकर्स ने फिल्म का लोगो शेयर करते हुए इसकी घोषणा की। वहीं फिल्म में उनके अलावा नसीरुद्दीन शाह भी नजर आएंगे, जो एक कैथोलिक पादरी के रोल में होंगे। खास बात बता दें कि फिल्म में एक्टिंग के साथ साथ तुषार इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। जी हां, तुषार एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म मैरिच को निर्माण होने जा रहा है। फिल्म 9 दिसंबर को सभी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की कहानी और डायरेक्शन ध्रुव लाठर ने की है।

पुलिस के सामने रणवीर सिंह का खुलासा, तस्वीर के साथ छेड़छाड़ करने का लगाया आरोप!

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपने बोल्ड फोटोशूट के जरिए सुर्खियों में बने रहे थे और उनका खूब विरोध भी हुआ था। अभिनेता ने फोटोशूट मामले में मुंबई पुलिस को दिए अपने बयान में अहम खुलासा किया था। अभिनेता का कहना है कि जिस तस्वीर के लिए उनके खिलाफ मुंबई में 26 जुलाई को अश्लीलता के आरोप में शिकायत दर्ज की गई थी, उस फोटो के साथ छेड़छाड़ की गई है। रणवीर सिंह ने कहा है कि यह फोटो उनके सोशल मीडिया अकाउंट से अपलोड नहीं की गई थी।

अभिनेता रणवीर सिंह ने 29 अगस्त को मुंबई पुलिस को दिए अपने बयान में यह दावा किया कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से वह तस्वीर शेयर नहीं की गई।

अक्षरा सिंह का एमएमएस हुआ लीक?

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह केवल यूपी बिहार में ही नहीं बल्कि पूरे देश में फेमस हैं। अभिनय के अलावा उन्होंने गायकी से भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उनके गाने यूट्यूब पर अक्सर ट्रेंडिंग लिस्ट में रहते हैं। इस बीच एक्ट्रेस का नाम इन दिनों चर्चा के केंद्र में आ गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को कथित रूप से अक्षरा सिंह का बताकर शेयर किया जा रहा है।

इस वीडियो की पुष्टि नहीं कर रहा है। यूट्यूब पर कई ऐसे लोग हैं जो इस कथित वीडियो को अक्षरा के होने का दावा कर रहे हैं। इस वीडियो पर अभी तक एक्ट्रेस का कोई रिएक्शन नहीं आया है। यह वीडियो सामने आने के बाद एक्ट्रेस के फैंस और ट्रोल्स आपस में भिड़ गए हैं। जहां एक ओर ट्रोल्स अक्षरा को भला बुरा कह रहे हैं। वहीं, फैंस इन वीडियो को फेक बता रहे हैं। साथ ही एक्ट्रेस से यह भी गुहार लगा रहे हैं कि वह सामने आकर इस अपनी सफाई दें।

बता दें कि इससे पहले भी कई भोजपुरी सेलेब्स के कथित वीडियो लीक होने के दावे किए जा चुके हैं। हाल ही में भोजपुरी सिंगर शिल्पी राज का एक कथित एमएमएस लीक होने का दावा किया गया था। हालांकि इस पर शिल्पी की सफाई आ गई थी और उन्होंने इसे फेक बताया था। इसी तरह एक्ट्रेस काजल राघवानी के नाम पर भी इस तरह के दावे किए गए लेकिन बाद में यह साफ हो गया कि वीडियो में दिख रही लड़की काजल नहीं थी।

गौरतलब है कि अक्षरा भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस अब तक कई भोजपुरी सुपरस्टार्स के साथ कई सुपरहिट फिल्में दे चुकी हैं। फिल्मों के अलावा वह लोकप्रिय शो बिग बॉस में भी नजर आ चुकी हैं। कुछ दिनों पहले आमिर खान के साथ उनका एक डांसिंग वीडियो काफी वायरल हुआ था।

बनारसी साड़ी को धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

भारत में महिलाओं का सबसे पसंदीदा परिधान साड़ी है। चाहे पार्टी हो या फिर घर का कोई भी फंक्शन या फिर त्योहार, साड़ियां महिलाओं की पहली प्राथमिकता होती हैं। वह इसलिए कि साड़ी से महिलाओं को क्लासी लुक मिलता है। इसलिए महिलाएं ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए महंगी–महंगी साड़ियां खरीदती हैं। ज्यादतर महिलाएं बनारसी साड़ी पहनना और खरीदना पसंद करती हैं। महिलाएं बनारसी साड़ी खरीद तो लेती हैं लेकिन उसे साफ करने में उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि बनारसी साड़ी को धोते समय हुई छोटी–छोटी गलतियों की वजह से आपकी साड़ी खराब हो सकती है। अगर आप चाहती हैं कि आपकी बनारसी साड़ी सालों–साल खूबसूरत और नई जैसी नजर आए, तो साड़ी को धोते समय इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

हल्के साबुन के घोल से करें साफ

वैसे तो बनारसी साड़ी को ड्राई क्लीन करवाना चाहिए। लेकिन अगर आप साड़ी को घर पर ही क्लीन करना चाहती हैं, तो आप हल्के साबुन, डिटर्जेंट या प्रोटीन स्टेन रिमूवर का इस्तेमाल ही करें। क्योंकि अगर आप हार्ड साबुन के घोल का प्रयोग करती हैं, तो इससे आपकी साड़ी का कपड़ा खराब हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बनारसी साड़ी का कपड़ा बेहद डेलिकेट होती है और इसे आम साड़ियों की तरह साफ नहीं किया जा सकता है।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

इसके अलावा, आप बनारसी साड़ी को हमेशा ठंडे पानी से धोएं। क्योंकि गर्म पानी से आपकी साड़ी खराब हो सकती है। लेकिन, आप हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं, ठंडे पानी का इस्तेमाल करने से साड़ी ना सिर्फ साफ हो जाती है बल्कि उसका कलर फेड भी नहीं होता।

इस तरह हटाएं दाग

कई बार महिलाओं की बनारसी साड़ी पर दाग लग जाते हैं, तो वह उसे हटाने के लिए हार्ड वॉशिंग पाउडर का इस्तेमाल करती हैं। और अपनी पूरी साड़ी को डिटर्जेंट या प्रोटीन स्टेन रिमूवर में भिगोकर रख देती हैं। ऐसा करने से दाग साफ, तो हो जाता है लेकिन साड़ी का कलर भी फेड होने लग जाता है। इसलिए आप प्रोटीन स्टेन रिमूवर को केवल दाग पर ही डालें और उसे साफ करें। साथ ही, आप बनारसी साड़ी पर लगे जूस, आइसक्रीम और चाय के दाग को भी ऐसी साफ करें।

ब्रश से नहीं करें साफ

अगर आप बनारसी साड़ी को घर पर ही धो रही हैं, तो आप साड़ी को साफ करते समय कभी भी ब्रश का इस्तेमाल ना करें। क्योंकि ब्रश से आपकी साड़ी खराब हो सकती है। साथ ही, आपकी साड़ी का कपड़ा फट भी सकता है। इसलिए जब भी आप अपनी बनारसी साड़ी को साफ करें, तो हल्के हाथों से ही रगड़ें। ऐसा करने से आपकी साड़ी साफ भी हो जाएगी और उसे कोई नुकसान भी नहीं होगा।

इस तरह रखें ख्याल

- आजकल बाजार में बनारसी साड़ी को साफ करने या वॉश करने के लिए कई तरह के वॉशिंग प्रोडक्ट मिलने लगे हैं। आप इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल करके साड़ी को धो सकती हैं।
- अगर आपकी साड़ी पर दाग लग गए हैं, तो आप उसे हाथों हाथ धो कर ही रखें।
- बनारसी साड़ी को कभी भी वाशिंग मशीन में धोने की गलती ना करें।
- साड़ी पहनते समय ज्यादा पिनों का प्रयोग ना करें क्योंकि पिन से पल्ले व प्लेटों के फटने का भय रहता है।
- अपनी साड़ी को सेंट या इत्र की सुगंध से दूर रखें। सुगंध के कारण साड़ी का कलर खराब होने की पूरी संभावना रहती है।
- साड़ी को ऐसी जगह रखें जहां चूहे ना आते हो।

किचन को बनाएं बच्चों की क्लास

रसोई घर स्त्रियों के लिए एक प्रयोगशाला है, जहां वे नित स्वाद के नए प्रयोग करती रहती हैं। इस प्रयोगशाला को बच्चों की क्लास भी बना लीजिए, जहां बच्चे सीखेंगे भी और बढ़ेंगे भी।

जिस उम्र में बच्चों का दिमाग तेजी से विकास कर रहा होता है, अगर उस समय उन्हें कुछ सिखाया जाए, या उनकी रुचि को तराशा जाए, तो वे ना सिर्फ तेज दिमाग इंसान बनेंगे बल्कि नए प्रयोगों को करने में उनकी रुचि भी बनेगी। यह वे गुण हैं, जो जीवन में उनके बहुत काम आएंगे। रसोई घर में काम करके उन्हें यह सहजता से मिल जाएंगे। सामान्य ज्ञान, विज्ञान की समझ, गणित को बुनियादी मजबूती तो खैर मिलेगी ही। अगर आप हैरान हैं, तो जानें कि 3 से शुरु करके बच्चों के साथ अभिभावक हफ्ते में एक या दो बार अगर रसोई के कामों में मदद लें, तो इन लक्ष्य को पाया जा सकता है।

आकार–स्वाद की समझ

रोटी गोल होती है और समोसा त्रिकोण होता है, ये आकार बच्चा रसोई घर में आसानी से सीख सकता है। तीखा क्या है, मीठा क्या है, ये भी जानेगा। खाना बनाते हुए आकार के नाम लें, जैसे गोल रोटी, चौकोर पराठा आदि। इसके अलावा भिंडी गोल या लंबी, आलू मोटा या छोटा काटते हुए आकार समझाए जा सकते हैं।

शब्द और भाषा का विकास

6–8 साल की उम्र से बच्चा जब व्यंजन विधि पढ़ता है और बारी–बारी क्या करना है, यह बताता जाता है, तो उसे वस्तुओं के बारे में जानकारी मिलती है। सामग्रियों के बीच अंतर पहचानकर उनके नाम और अंतर याद रखता है, जैसे कि सफेद नमक और काले नमक के बीच का अंतर। इससे बच्चा नए शब्द भी सीखता है। वहीं जब रेसिपी की हर स्टेप पढ़कर खाना बनाने में मदद करता है, तो उसकी भाषा का विकास होता है। जब बच्चे के साथ खाना बनाएं, तो उससे पूछें कि अगला कद्रम क्या होगा। इस तरह वह योजना बनाना, समय का सही इस्तेमाल और व्यंजन विधि का सही अनुपालन करना सीखेगा। जब तक खाना बन नहीं जाता, तब तक धैर्य भी रखना होगा। इससे ध्यान और सब्र दोनों गुणों का विकास होगा।

जो पसंद है वही कराएं

आमतौर पर बच्चों को चीजों को काटना और गैस जलाने जैसे काम ही पसंद आते हैं। अगर बच्चा किसी जिद का बहाना बनाकर रसोई से जाने का रास्ता ढूंढे, तो उसे उसकी दिलचस्पी का काम दे दें, जैसे कि बिस्किट केक बनाना। बच्चे के साथ उनका पसंदीदा भोजन बनाएं। उनसे कहें कि अगर तुम्हें ये खाना है, तो अंत तक ध्यान देना होगा।

भावनात्मक विकास

हाथों से खाना पकाने की गतिविधियां बच्चों में भरोसा और कौशल पैदा करने में मददगार होती हैं। रेसिपी सीखने से बच्चों को स्वतंत्र बनने की भी प्रेरणा मिलती है। इससे उन्हें निर्देशों पर अमल करने और समस्या सुलझाने की क्षमता विकसित करने की भी सीख मिलती है। दूसरों के लिए खाना बनाने से उनके प्रति प्रेम भाव भी विकसित होगा।

फाइन स्किल्स बेहतर होंगे

दस साल से बड़ी उम्र के बच्चों के लिए सामग्रियां मिलाना, आटे की लोइयों को बेलना बच्चों के हाथों को मजबूत और नियंत्रित करता है, जैसे वो जानेगा कि हाथों का कितना जोर लगाकर बेलना है और सही आकार कैसे लाना है। आंखों और हाथों का समन्वय कौशल किसी चीज को बेलने, मिलाने और फैलाने से विकसित होते हैं।

अंकों का ज्ञान

नाप–तौल सीखना तो स्वाभाविक ही है। आप जब बच्चे से आटा बोल में डालने के लिए कहें, तो साथ में कप की गिनती भी करें। हर बार जब आप कप या चम्मच से सामग्री निकालें तो जोर से गिनें। 5 साल से ऊपर के बच्चे को शुरुआती जोड़–घटाना समझा सकते हैं। थोड़े बड़े बच्चे नापकर व्यंजन बनाने के स्वाद पर असर को समझ जाएंगे।

जब कहीं न लगे मन, तो इस फीलिंग से ऐसे करें डील

कभी-कभी ऐसा होता है कि कहीं भी आपका मन नहीं लगता। ऐसे में आपको कुछ वक्त के लिए लाइफ बोरिंग लगने लगती है। कहीं भी किसी चीज का प्वाइंट नजर नहीं आता। ऐसा लगता है जैसे किसी भी चीज का कोई मतलब नहीं है। ऐसे में आपको कभी-कभी कई बुरे ख्याल भी आने लगते हैं।

इन फीलिंग से निकलना बहुत जरूरी है क्योंकि आपके मन में कई नेगेटिव ख्याल आने की वजह से इसका असर आप पर ही नहीं बल्कि कई लोगों पर पड़ता है। इस फीलिंग से निकलने में कुछ टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं–

वेदांता- फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट के गुजरात जाने से मचा बवाल...!

मुंबई में शिंदे सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया गया

मुंबई: महाराष्ट्र में फिलहाल वेदांता- फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट को लेकर घमासान मचा हुआ है। राज्य की महाविकास अघाड़ी यानी शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी ने शिंदे- बीजेपी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लगातार नई सरकार पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट के जाने से न सिर्फ महाराष्ट्र को राजस्व का नुकसान हुआ है बल्कि हजारों युवाओं को मिलने वाला रोजगार भी खत्म हो गया है। इन सब के पीछे और कोई नहीं बल्कि राज्य की शिंदे बीजेपी सरकार है। शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा गया है। सामना ने लिखा है कि हमें इस बात का यकीन है कि जिस तरह से फडणवीस ने अंतर्राष्ट्रीय वित्त केंद्र को मुंबई से गुजरात भेजा है। उसी तरह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने फॉक्सकॉन- वेदांत प्रोजेक्ट को भी गुजरात ले जाने की अनुमति दी है। शिंदे आने वाले दिनों में मुंबई को भी बेच देंगे।

डील के बदले मिली सीएम की कुर्सी

शिवसेना ने सामना के जरिए एकनाथ शिंदे को घेरते हुए लिखा है कि बीजेपी ने एकनाथ शिंदे को इसी बात पर मुख्यमंत्री बनाया था ताकि वेदांता फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट को आसानी से गुजरात भेजा जा सके। सनम लिखा है कि फॉक्सकॉन सिर्फ शुरूआत है इस

डील से इस प्रोजेक्ट के गुजरात जाने से एक बात साफ हो गई है अगर बीजेपी ने शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया है और उनके विधायकों को करोड़ों दिए हैं तो फिर संडे को महाराष्ट्र के तिजोरी की चाबी भी बीजेपी को सौंपनी होगी।

शाबाश शिंदे जो चाहिए था मिल गया

शिवसेना एकनाथ शिंदे को घेरते हुए लिखा है कि वह सूरत और गुवाहाटी में अपने विधायकों को भरोसा दिला रहे थे। कि अब डरने की कोई बात नहीं है हमारे पास एक बड़ी शक्ति का समर्थन है। हमें जो चाहिए वह सब कुछ मिलेगा। शाबाश शिंदे, आपको जो चाहिए वह मिल गया लेकिन महाराष्ट्र के युवाओं से उनके रोजगार का मौका छीन लिया गया है। आदित्य ठाकरे ने भी शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि सीएम ने न केवल हमारे 40 विधायकों को बल्कि राज्य की बड़ी परियोजनाओं को भी गुजरात लेकर चले गए। हमारे राज्य में दो लाख करोड़ रुपए और एक लाख रोजगार के अवसरों के नुकसान का जिम्मेदार कौन है?

एनसीपी नेता और प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने शिंदे सरकार के मंत्री उदय सामंत पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर सामंत से पूछा कि जब मोदी जी ने यह वादा किया था कि महाराष्ट्र को समान रूप से बड़ा प्रोजेक्ट दिया जाएगा।

तब वह बड़ा प्रोजेक्ट गुजरात को क्यों नहीं दिया गया। आखिर क्यों खास तौर पर वेदांता- फॉक्सकॉन प्रोजेक्ट को महाराष्ट्र से गुजरात ले जाया गया। आखिर जिस प्रोजेक्ट के लिए महाविकास अघाड़ी सरकार ने मेहनत कर राज्य के विकास और युवाओं के रोजगार के लिए हासिल किया था। अब वह पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है, इसका जवाब देना होगा।

अजित पवार का महाराष्ट्र सरकार पर बड़ा हमला!

मंत्रिमंडल विस्तार से डर रही है

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में जारी सियासी घमासान कब खत्म होगा यह कहना मुश्किल है। वेदांता प्रोजेक्ट को लेकर विपक्ष और सरकार आमने-सामने है। इन सब के बीच राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम और एनसीपी नेता अजित पवार ने शिंदे सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार से शिंदे सरकार डर रही है। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल के दूसरे चरण का विस्तार गणेश उत्सव के बाद होने की खबरें पहले सामने आई थी। लेकिन अब तक इसे कोई डिटेल्स सामने नहीं आई है। इन सब के बीच एनसीपी नेता अजित पवार ने शिंदे सरकार पर मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर निशाना साध दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार मंत्रिमंडल विस्तार से डर रही है। पवार ने कहा कि जिन्हें दूर के सपने दिखाए गए हैं वह फुट सकते हैं।

अजित पवार ने शिंदे सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आप नया काम करिए, पुराने कामों को क्यों स्थगित कर रहे हो। इसलिए मंत्रिमंडल विस्तार करने से लिए डर रहे हो। वे बोले कि पालकमंत्री न होने से कई सारे काम रूक गए हैं। गौर हो कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के शिवसेना से बगावत करने के बाद उद्धव ठाकरे को सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। जिसके बाद शिंदे ने बीजेपी के सहयोग से सरकार बनाई और सीएम बने। फिर उन्होंने 9 अगस्त को पहली बार मंत्रिमंडल का विस्तार किया था।

प्याज की कीमतों में गिरावट से किसान परेशान

महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र से की ये अपील...!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार ने प्याज की गिरती कीमतों से परेशान हो रहे किसानों के लिए बड़ा कदम उठाया. प्याज की गिरती कीमत के बाद किसान वित्तीय परेशानी से जूझ रहे हैं, इसलिए महाराष्ट्र सरकार ने केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल से एक अनुरोध किया. महाराष्ट्र सीएमओ कार्यालय के अनुसार महाराष्ट्र सरकार ने पीयूष गोयल से नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से राज्य भर में लगभग 2 लाख टन प्याज खरीदने का

अनुरोध किया. महाराष्ट्र के प्याज किसानों को गिरती कीमतों के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है. इसलिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से अनुरोध किया कि वे नेफेड के माध्यम से कीमत स्टेबलाइजेशन कोष के माध्यम से 2 लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदें. हालांकि सीएमओ के द्वारा जारी हुए बयान में राज्य में प्याज के मौजूदा बिक्री की कीमत के बारे में कुछ नहीं बताया गया.

बाजार में प्याज की कीमतों में गिरावट से किसान परेशान

महाराष्ट्र में प्याज मुख्य फसल है और देश के कुल सब्जी उत्पादन में इसका 35 से 40 प्रतिशत हिस्सा है. मानसून के साथ 2021-22 में प्याज का उत्पादन 136.70 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले सीजन की तुलना में 20 लाख मीट्रिक टन अधिक है. हालांकि बाजार में कीमतों में भारी गिरावट आने से प्याज किसानों में निराशा है. वहीं श्रीलंका में बिगड़ते आर्थिक हालात भी प्याज की कीमतों में गिरावट की एक वजह रही. वहीं पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए केंद्र सरकार ने 2022-23 सीजन के 2.50 लाख टन प्याज की खरीद की. बता दें कि अप्रैल-जून के दौरान रबी की फसल में प्याज की कटाई भारत के प्याज उत्पादन का 65 प्रतिशत है और जो अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल की कटाई तक उपभोक्ता की मांग को पूरा करती है.

मुंबई में 'संपत्ति प्रदर्शनी' का आयोजन करेगा नारेडको, 100 से अधिक बिल्डर लेंगे भाग

मुंबई : रियल्टी कंपनियों के संगठन नारेडको की महाराष्ट्र इकाई 30 सितंबर से दो अक्टूबर के दौरान मुंबई में 'संपत्ति प्रदर्शनी' का आयोजन करेगी। इस प्रदर्शनी में बिक्री बढ़ाने के लिए 100 से अधिक बिल्डर मूल्य और अन्य छूट की पेशकश के साथ भाग लेंगे। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) महाराष्ट्र ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में

कहा कि वह बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्थित जियो कन्वेंशन सेंटर में 'होमथॉन प्रॉपर्टी एक्सपो 2022' का आयोजन कर रही है। नारेडको के अनुसार, इस प्रदर्शनी में करीब 50,000 घर खरीदारों के आने की उम्मीद है। इस प्रदर्शनी में 100 से अधिक बिल्डर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, नासिक और नागपुर में विकसित की जा रही अपनी परियोजनाओं का प्रदर्शन करेंगे। रियल एस्टेट नियामक (रेरा) भी आयोजन में शामिल होगा। इसके जरिये घर खरीदार समयबद्ध तरीके से विभिन्न बिल्डरों की परियोजनाओं का पंजीकरण ब्योरे की पुष्टि कर सकेंगे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं 3 - 4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावला क्रॉस रोड नं 12, गोरगांव (पूर्व), मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com